सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 107 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 24 मई, 2023

मूल्य ₹ 3/-

क्रोध वह हवा है जो बुद्धि के दीप को बुझा देती है।
-रोबर्ट ग्रीन इन्गेर्सोल्ल

राहुल गांधी के नए पासपोर्ट पर सुनवाई... 8 | 2024 लोकसभा चुनाव पर मंथन... 3 | संभल कर घर से निकलें, बिगड़... 7

नए संसद भवन पर घमासान

28 मई के कार्यक्रम का 19 विपक्षी दल करेंगे विरोध

» पीएम से नहीं राष्ट्रपति से उद्घाटन करवाने की मांग

» विपक्ष ने भाजपा पर लगाया संवैधानिक प्रमुख के अपमान का आरोप

» विपक्ष ने संयुक्त बयान किया जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति से कराने की मांग को लेकर देश से सियासी घमासान खत्म होने का नाम नही ले रहा है। विपक्ष के 19 दलों ने 28 मई को आयोजित समारोह का बहिष्कार करने का फैसला किया है। इन दलों की मांग है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जगह संसद के नए भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से कराया जाए। सूत्र ने कहा है कि कांग्रेस 28 मई को होने वाले नए संसद भवन के उद्घाटन कार्यक्रम का बहिष्कार कर सकती है। कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने आरोप लगाया कि सरकार ने समारोह से राष्ट्रपति मुर्मू को दूर रखकर उनका और पूरे आदिवासी समाज का अपमान किया है।

सूत्रों के मुताबिक, समान विचारधारा वाले विपक्षी दलों के नेताओं ने संसद भवन के उद्घाटन समारोह के बहिष्कार को लेकर विचार-विमर्श किया है और कहा जा रहा है कि सदन के सभी नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी कर दिया है। इसमें कार्यक्रम के संयुक्त बहिष्कार की घोषणा की गई। कई पार्टियां पहले ही कार्यक्रम में शामिल नहीं होने की बात कह चुकी हैं। वहीं ओवैसी ने लोस अध्यक्ष से उद्घाटन कराने की मांग की।

राष्ट्रपति को आमंत्रित न करना आदिवासी व वंचित समाज का अपमान : संजय सिंह

आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने एक ट्वीट करते हुए कहा, संसद भवन के उदघाटन समारोह में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मूर्मू को आमंत्रित न करना उनका घोर अपमान है। ये भारत के दलित, आदिवासी व वंचित समाज का अपमान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महामहिम राष्ट्रपति को आमंत्रित नही करने के विरोध में आम आदमी पार्टी उदघाटन कार्यक्रम का बहिष्कार करेगी।

सत्ता के हस्तांतरण के प्रतीक सेंगोल की होगी स्थापना : अमित शाह

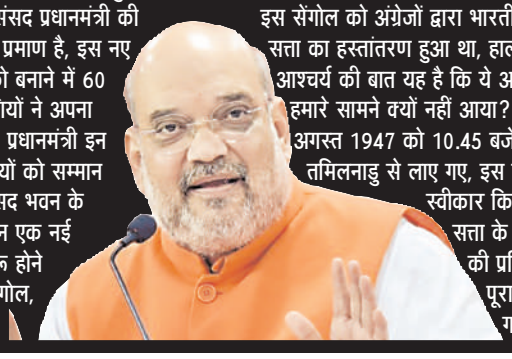

गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि नए संसद भवन का उद्घाटन 28 मई को किया जाएगा। ये दिन बेहद खास होने जा रहा है, क्योंकि इस दौरान प्रधानमंत्री सेंगोल को स्वीकार करेंगे, जो हमारी सभ्यता से जुड़ी एक अहम वस्तु है। नई संसद प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता का प्रमाण है, इस नए संसद भवन को बनाने में 60 हजार श्रमयोगियों ने अपना योगदान दिया, प्रधानमंत्री इन सभी श्रमयोगियों को सम्मान करेंगे, नए संसद भवन के उद्घाटन के दिन एक नई परंपरा भी शुरू होने जा रही है। सेंगोल, अंग्रेजों से भारत को सत्ता हस्तांतरण का प्रतीक माना जाता है। ये चोल साम्राज्य से संबंध रखता है। और इस पर नंदी भी बने हुए हैं, ये भारत के इतिहास के लिए बेहद महत्वपूर्ण रखता है। शाह ने कहा कि 14 अगस्त 1947 को इस सेंगोल को अंग्रेजों द्वारा भारतीयों को सत्ता का हस्तांतरण हुआ था, हालांकि, आश्चर्य की बात यह है कि ये अब तक हमारे सामने क्यों नहीं आया? 14 अगस्त 1947 को 10.45 बजे रात को तमिलनाडु से लाए गए, इस सांगोल को स्वीकार किया था। ये सत्ता के हस्तांतरण की प्रक्रिया का पूरा किया गया था।

संसद सिर्फ नई इमारत नहीं है : डेरेक ओ ब्रायन

राज्यसभा में तृणमूल के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने ट्वीट किया, संसद सिर्फ नई इमारत नहीं है, यह पुरानी परंपराओं, मूल्यों, मिसालों और नियमों के साथ एक प्रतिष्ठान है - यह भारतीय लोकतंत्र की नींव है। प्रधानमंत्री यह नहीं समझते। उनके लिए रविवार को नई इमारत का उद्घाटन सिर्फ मैं, खुद के बारे में है इसलिए हमें इससे बाहर रखें। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करेगी, पार्टी के राज्यसभा सांसद डॉ जॉन ब्रिट्स ने पुष्टि की।

पीएम का उद्घाटन करना गरिमा के खिलाफ : डी राजा

उधर भाकपा महासचिव डी राजा ने भी कहा कि उनकी पार्टी उद्घाटन समारोह से दूर रहेगी। वैसे इस मसले पर बहुत जल्द विपक्षी दलों की एक बैठक भी प्रस्तावित है और उसमें ममता खुद आने की बजाय अपने किसी मंत्री को भेजने वाली हैं। विपक्षी दलों का कहना है कि राज्यसभा व लोकसभा के साथ राष्ट्रपति संसद का अविभाज्य हिस्सा हैं। ऐसे में पीएम का नए संसद भवन का उद्घाटन करना संवैधानिक नियमों व गरिमा के खिलाफ है।

इन दलों ने किया बहिष्कार

बुधवार सुबह ही राजद ने घोषणा की है की वह समारोह का बहिष्कार करेगा। वहीं एनसीपी , द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने भी बहिष्कार का फैसला किया। तृणमूल कांग्रेस ने सबसे पहले समारोह में शामिल नहीं होने की बात कही थी। इसके बाद आम आदमी पार्टी ने भी समारोह में नहीं जाने का एलान किया। भारतीय भाकपा ने मंगलवार को उद्घाटन समारोह के बहिष्कार की जानकारी दी थी। विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) भी शामिल नहीं होगी। उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने कहा कि सभी विपक्षी दलों ने 28 मई को नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने का फैसला किया है और हम भी ऐसा ही करेंगे। समाजवादी पार्टी, सीपीआई, झारखंड मुक्ति मोर्चा, केरला कांग्रेस, राष्ट्रीय लोकदल, जेडीयू, सीपीआई एम, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, नेशनल कॉन्फ्रेंस समेत आरएसपी शामिल हैं।

आजम खां को कोर्ट से मिली राहत

» नफरती भाषण देने के आरोप से बरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। सपा नेजा आजम खां को एमपी-एमएलए कोर्ट (सेशन ट्रायल) से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उनको नफरती भाषण देने के आरोप से बरी कर दिया है। इस मामले में एमपी-एमएलए (मजिस्ट्रेट ट्रायल) की कोर्ट ने 27 अकटूबर 2022 को आजम खां को तीन साल सजा सुनाई थी, जिसके बाद उनकी विधायकी चली गई थी।

इस सजा के खिलाफ आजम खां ने सेशन कोर्ट में अपील की थी। बुधवार को मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट (सेशन ट्रायल) में हुई। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद आजम खां को नफरती भाषण देने के आरोप से मुक्त कर दिया है।

मजिस्ट्रेट ट्रायल की कोर्ट के फैसले को किया रद्द

कोर्ट ने मजिस्ट्रेट ट्रायल की कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया। कोर्ट ने इस मामले में 70 पेज में अपना फैसला सुनाया है। जिसमें सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के फैसले का उल्लेख किया गया है। सेशन कोर्ट के फैसले से आजम खां को बड़ी राहत मिली है, लेकिन उनकी विधायकी बहाल होने पर अभी संदेह है। क्योंकि छजलैट प्रकरण के मुकदमे में भी मुरादाबाद की कोर्ट ने आजम खां और उनके पुत्र अब्दुल्ला आजम को दो-दो साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद अब्दुल्ला आजम खां की विधायकी चली गई थी।

कर्नाटक की हार का पड़ेगा भाजपा पर असर : अखिलेश

बोले- लोकसभा चुनाव में सपा ही देगी चुनौती

» ब्रिटेन की डिप्टी हाई कमिश्नर से मिले सपा अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिलेश ने कहा कि कर्नाटक में भाजपा की हार का असर लोकसभा-2024 के चुनाव पर भी पड़ेगा। अखिलेश ने कहा कि यूपी में सपा ही भाजपा को मजबूत चुनौती दे रही है। उन्होंने कि सपा सरकार ने प्रदेश में कई विकास कार्य किए थे जिसे वर्तमान सरकार सहेज नहीं पा रही है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कार्यालय पर भारत में ब्रिटेन की डिप्टी हाई कमिश्नर क्रिस्टीना स्कॉट और उनके सहयोगियों से मुलाकात कर यहां के वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर चर्चा की। अखिलेश यादव ने उन्हें बड़े मंगल के अवसर पर आयोजित होने वाले भंडारों की संस्कृति की भी जानकारी दी। उन्होंने क्रिस्टीना स्कॉट को बताया कि प्रदेश में भाजपा सरकार की विकास कार्यों में रुचि नहीं है। बिजली संकट गहरा रहा है। बेरोजगारी बढ़ रही है। भाजपा के वादे के बाद भी किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई है। उन्होंने सपा शासनकाल में किए गए कार्यों को विस्तार से बताया। प्रतिनिधिमंडल में राजनीतिक मसलों के अध्यक्ष नटालिया लेह, सीनियर पॉलिटिकल इकॉनामी एडवाइजर भावना विज और अध्यक्ष राजनीतिक व द्विपक्षीय मुद्दे रिचर्ड वारलो के अलावा सपा के राजेंद्र चौधरी और प्रो. सुधीर पंवार मौजूद रहे।

राम कमल राय ने थामा कांग्रेस का हाथ

भारतीय राष्ट्रीय लोकदल के राम कमल राय ने मंगलवार को कांग्रेस का दामन थाम लिया। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश कमेटी के महासचिव प्रभारी प्रशासन दिनेश सिंह ने उन्हें पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई।

सूरज को दी बधाई

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी के रहने वाले दिव्यांग सूरज तिवारी ने यूपीएससी परिक्षा में अपना परचम लहरा दिया है। ट्रेन हादसे में सूरज ने अपने दोनों पैर और एक हाथ को गवां दिया था। इसके बावजूद सूरज ने हिम्मत नहीं हारी और यूपीएससी परीक्षा में 917वीं रैंक हासिल कर ली। उनकी इस कामयाबी पर समाजवादी पार्टी (सपा) मुखिया अखिलेश यादव भी खुश हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने ट्वीट करके कहा, मैनपुरी के दिव्यांग सूरज तिवारी ने आईएएस की परीक्षा पहली बार में ही निकाल कर साबित कर दिया कि संकल्प की शक्ति अन्य सब शक्तियों से बड़ी होती है. सूरज की इस 'सूरज' जैसी उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य के लिए अनंत शुभकामनाएं। सूरज ने लोगों के सामने एक मिसाल पेश की है कि हालात चाहे कितने भी मुश्किल क्यों न हो... लेकिन कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि सूरज के दोनों पैर व एक हाथ नहीं है और दूसरे हाथ में केवल तीन उंगलियां है, लेकिन ये उसकी मेहनत और लगन ही थी जो आज सूरज ने ये मुकाम हासिल किया है।

देश मोदी को हटाना चाहता है : अधीर रंजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 2000 रुपये के नोट को लेकर अधीर रंजन चौधरी ने मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने पीएम मोदी के लिए आपत्तिजनक शब्द का प्रयोग करते हुए बीजेपी पर जमकर हमला बोला। कांग्रेस सांसद और पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा, ये मोदी नहीं... मोदी हैं। लोग उन्हें, मोदी कह रहे हैं। इससे पहले केजरीवाल-ममता की बैठक पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कहा, आप और टीएमसी कांग्रेस को कमजोर करने और अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश में एक ही नीति का पालन करती हैं।

इस प्रकार दोनों दल भाजपा की मदद करते हैं। बहरामपुर सांसद ने ममता और केजरीवाल पर एक साथ हमला बोला। अधीर ने कहा, ममता और केजरीवाल दोनों बीजेपी के साथ हिंदुत्व की होड़ जारी रखे हुए हैं। तृणमूल और आप का मकसद कांग्रेस को कमजोर कर खुद को मजबूत करना है। ये दोनों दल भाजपा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलते हैं।

मोदी की दादागिरी चरम पर

» करीबियों के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी पर बोले संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने बुधवार को दावा किया है कि उनके करीबियों और स्टॉफ के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीमें छापेमारी कर रही हैं। सांसद संजय सिंह इस वक्त दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ दूसरे दलों के नेताओं से मिलने के लिए दिल्ली से बाहर गए हुए हैं।

संजय सिंह ने ट्वीट करते हुए लिखा, मोदी की दादागिरी चरम पर है। मैं मोदी की तानाशाही के खिलाफ लड़ रहा हूं। ईडी की फर्जी जांच को पूरे देश के सामने उजागर किया। ईडी ने मुझसे गलती मानी। जब कुछ नही मिला तो आज मेरे सहयोगियों अजीत त्यागी और सर्वेश मिश्रा के घर ईडी ने छापा मारा है। सर्वेश के पिता कैंसर से पीड़ित हैं, ये जुर्म की इंतेहा है। चाहे जितना जुर्म करो लड़ाई जारी रहेगी।

दिल्ली में सियासी घमासान तेज

आप राज्यसभा सांसद के इस ट्विट को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी री-ट्वीट किया है, उसके बाद से आप नेता के ट्वीट को लेकर सियासी चर्चा का बाजार भी गर्म है और राजनीति चरम पर पहुंच गया है, सियासी चर्चा होना भी स्वाभाविक है, ऐसा इसलिए कि जिस समय संजय सिंह के आवास पर ईडी ने छापेमारी की है उस समय वो दिल्ली से बाहर हैं।

नवनिर्वाचित महापौर, अध्यक्ष और पार्षद 26 और 27 को लेंगे शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्य निर्वाचन आयोग से नगर निकायों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की अधिकारिक सूची मिलने के बाद नगर विकास विभाग ने मंगलवार को निकायों के गठन की अधिसूचना जारी कर दी है। शासन ने महापौर और अध्यक्षों के शपथ के लिए 26 और 27 अप्रैल की तिथि निर्धारित कर दी है।

वहीं, शासन द्वारा निकायों के गठन की अधिसूचना जारी होने के एक महीने के भीतर पहली बैठक बुलाना अनिवार्य हो गया है। यानि हर हाल में 23 जून से पहले नगर निगमों को सदन और नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों को बोर्ड की बैठक करनी होगी। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक उप्र नगर निगम अधिनियम 1959 के अधीन महापौर, अध्यक्ष और पार्षद स्थान ग्रहण करने के लिए शपथ लेंगे।

हर चुनाव में बसपा की स्थिति अच्छी रहनी चाहिए : मायावती

» कर्नाटक में एक भी सीट न मिलने से पदाधिकारियों पर भड़कीं बसपा सुप्रीमो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कर्नाटक चुनाव में एक भी सीट न मिलने पर नाराजगी जाहिर करते हुए वरिष्ठ पदाधिकारियों के पेंच कसे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक राज्य में हमारी तैयारी ऐसी हो कि चुनाव में चाहे जिस पार्टी का माहौल हो पर बसपा की स्थिति अच्छी रहनी चाहिए।

मायावती ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी स्तर से रहीं कमियों की तरफ ध्यान दिलाया और पदाधिकारियों को काडर मजबूत कर जनाधार बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खासकर दलित व मुस्लिम समाज को सत्ता में अपनी उचित भागीदारी और राजनीतिक भविष्य को लेकर काफी सजग रहने की जरूरत है।

सत्ता मिलने पर दलित व मुस्लिम को दरकिनार कर देती है कांग्रेस

कर्नाटक में इन वर्गों ने एकजुट होकर कांग्रेस को वोट देकर जिताया है किंतु सरकार बनते समय इनकी हमेशा की तरह उपेक्षा की गई। इनकी दावेदारी की अनदेखी करते हुए न तो इस वर्ग से सीएम बनाया गया और न ही कोई डिप्टी सीएम। कांग्रेस को दलित व मुस्लिम हमेशा बुरे वक्त में ही याद आते हैं और सत्ता मिलते ही वह इन्हें भूल जाती है।

भाजपा करती है अनर्गल बयानबाजी : दिग्विजय

» चुनाव के नजदीक आते ही याद आते हैं भगवान

» बोले- देखेंगे शिवराज के तरकश में कितने तीर हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीहोर। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने शिवराज सिंह के 2018 में तरकश वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि अब के चुनाव में भी देखेंगे कि शिवराज के तरकश में कितने तीर हैं। इस दौरान दिग्विजय सिंह ने सिख दंगो में कमलनाथ का नाम भाजपा द्वारा लगाने पर कहा कि सिख दंगों को 38 साल का लंबा समय हो गया है। आज तक कमलनाथ पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। भाजपा ने अजीब मजाक बना रखा है। चुनाव के नजदीक आते ही भाजपा नेता अनर्गल बयानबाजी करते हैं।

बच्चों का किया उत्साहवर्धन

सत्ता परिवर्तन के लेकर चार बच्चों द्वारा निकाली जा रही परिवर्तन यात्रा में शामिल बच्चों से मिलने दिग्विजय सिंह सीहोर आये और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान दिग्विजय सिंह ने बच्चों के साहस की प्रशंसा की। परिवर्तन यात्रा जिले की आष्टा तहसील से शुरू होकर पीसीसी कार्यालय पर खत्म होगी। परिवर्तन यात्रा में शामिल बच्चे राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में भी शामिल हो चुके हैं।

महू से चुनाव लड़कर दिखाओ : उषा ठाकुर

मप्र की संस्कृति मंत्री और महू से भाजपा विधायक उषा ठाकुर ने मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह को चुनौती दी है। उन्होंने इंदौर में कहा कि दिग्विजयसिंह को महू से चुनाव लड़ना चाहिए। हम तैयार खड़े हैं। मैं आमंत्रण दे रही हूं। गौरतलब है कि इससे पहले दिग्विजयसिंह पार्टी के कहने पर ज्योतिरादित्य सिंधिया के सामने चुनाव लड़ने की बात कह चुके हैं। सिंधिया की पारंपरिक सीट गुना-शिवपुरी है जबकि उषा ठाकुर दिग्विजयसिंह को मालवा बुलाकर महू से लड़ने का न्योता दे रही हैं। उषा ठाकुर का यह बयान उस वक्त आया है जबकि दिग्विजयसिंह इंदौर क्षेत्र में ही दौरे पर हैं। वे सावेर सीट पर पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलने आए हुए हैं। इस सीट पर कांग्रेस से भाजपा में आए सिंधिया समर्थक मंत्री तुलसीराम सिलावट विधायक हैं। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर दोनों ही प्रमुख दल भाजपा और कांग्रेस ने मैदान संभाला हुआ है।

कर्नाटक के परिणाम ने डरी भाजपा

2024 लोकसभा चुनाव पर मंथन करेगी पार्टी

» छत्तीसगढ़ में रुठों को मनाएगी भाजपा

» घर-घर जाएंगे कार्यकर्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक चुनाव में मिली करारी हार के बाद भाजपा की नींद उड़ी हुई। दक्षिण में पैठ बढ़ाने का मंसूबा पाल रही पार्टी को इस चुनाव से तगड़ा झटका लगा है। पार्टी के नीति नियंताओं को समझ नही आ रहा है कि ये ही हाल रहा तो आंध्र,तलिनाडु व केरल में राह आसान नही होगी। इस लिए भाजपा ने हंदी पट्टी के अहम राज्यों में अपनी नजर डालना शुरू कर दिया है। इन राज्यों में पार्टी पांच माह पहले ही चुनावी मोड में आ गई है। न सिर्फ विधानसभा चुनाव, बल्कि लोकसभा चुनावों के लिए भी रणनीति बनानी शुरू हो चुकी है।

छत्तीसगढ़ में भी इस साल विधानसभा के बाद लोकसभा चुनाव होने हैं। इसलिए पार्टी यहां दोगुनी ताकत के साथ तैयारी कर रही है। मध्यप्रदेश के फॉर्मूले की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में भी भाजपा रूठे नेताओं को घर जाकर मनाएगी। साथ ही घर-घर संपर्क अभियान के तहत प्रदेश के नेता मतदाताओं के घर जब दस्तक देंगे, तो उन्हें एक मिस्ड कॉल भी करना होगा, ताकि ये पता चल सके कि भाजपा नेता वोटर्स के घर पहुंचे हैं। दरअसल, केंद्र की मोदी सरकार के नौ साल के कामकाज को बताने के लिए 30 मई से 30 जून तक विशेष अभियान पूरे देशभर में चलाया जाएगा। इसमें चुनावी राज्यों में कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होंगे। इन विशेष कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़ में भाजपा के बड़े नेता नाराज पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को मनाने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा हर जिले में कार्यकर्ताओं का सम्मेलन भी आयोजित होगा। लोकसभा से लेकर बूथ स्तर तक आयोजन होंगे। छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रवक्ता कहते हैं कि केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर हर आयोजनों की तैयारियां बड़े पैमाने पर की जा रही हैं। इस साल छत्तीसग? में भी विधानसभा के चुनाव हैं। लिहाजा यहां विधानसभा की दृष्टि से भी इस अभियान पर काम किया जा रहा है। 30 मई से अलग-अलग कार्यक्रम पूरे प्रदेश में शुरू हो जाएंगे। कार्यकर्ता लोगों के घर-घर संपर्क करेंगे। इसके अलावा पार्टी के दिग्गज नेता पुराने कार्यकर्ताओं के घर जाकर भोजन भी करेंगे।

कांग्रेस को घेरने की तैयारी

कार्यक्रम के जरिए बताया जाएगा कि कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैसे नष्ट किया। इस पर डाक्यूमेंट्री दिखाई जाएगी। इसके अलावा पार्टी आगामी दिनों में व्यापारी सम्मेलन भी आयोजित करेगी। हर लोकसभा सीट पर ये सम्मेलन आयोजित होंगे। इसके साथ ही विकास तीर्थ होगा, जिसमें विधानसभा के विकास के स्थान पर लेकर जाएंगे। चुनाव को देखते हुए पार्टी इस बार सोशल मीडिया पर ज्यादा फोकस कर रही हैं। पार्टी लगातार इन्फ्लुएंसर्स पर नजर रख रही है। इसके लिए बाकायदा इन्फ्लुएंसर्स से एक परफॉर्मा भरवाया जाएगा। ये देखा जाएगा कि कौन से लोग हैं, जिनकी पोस्ट पर ज्यादा प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। किस तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। 29 मई को राजधानी में प्रेस कांफेंस होगी। इसमें केंद्रीय मंत्री या राष्ट्रीय पदाधिकारी के साथ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स भोजन करेंगे। इसमें उन्हें विकास की पीपीटी दिखाई जाएगी।

कार्यक्रमों के जरिए जोड़ेंगे जनता को

21 जून को होने वाले योग दिवस को बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। योग दिवस के कार्यक्रमों में मोदी सरकार की नौ साल की उपलब्धियों को बताया जाएगा। प्रदेश की हर विधानसभा के स्तर पर ये आयोजन होंगे। वहीं, 23 जून को पीएम मोदी के साथ पार्टी के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की वीडियो काफ्रेंसिंग होगी। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम 10 लाख बूथों पर होगा।इस बीच 25 जून को भाजपा आपातकाल की याद दिलाएगी। इसके लिए विशेष आयोजन की तैयारी की जा रही है। यह आयोजन लोकसभा क्षेत्र के मुख्य विधानसभा में आयोजित होगा। इसमें केंद्रीय टोली का एक सदस्य अनिवार्य रूप से रहेगा। इसमें बुद्धिजीवियों को बुलाया जाएगा।

खिलाड़ी से लेकर कलाकार के जाएंगे घर

प्रदेश के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने चर्चा में कहा कि लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव की दृष्टि से दो सदस्यों की अभियान समिति बनेगी। इसमें केंद्रीय मंत्री या पूर्व केंद्रीय मंत्री, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय पदाधिकारी, सदस्य या वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी मिलेगी। वहीं, केंद्र व प्रदेश में सात सदस्यों की, जिले में छह, मंडल में चार सदस्यों की समिति बनेगी। प्रदेश स्तर के बड़े नेताओं की जिम्मेदारी होगी कि हर लोकसभा के 250 प्रतिष्ठित और प्रभावशाली लोगों की लिस्ट बनाए। हर लोकसभा से 10 लोग तय किए जाएंगे, जो इन 250 लोगों से संपर्क करेंगे। इसके अलावा कलाकार, खिलाड़ी, उद्योगपति, शहीद व प्रसिद्ध परिवारों से भी संपर्क होगा, जिन्हें भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर सम्मानित करेंगे।

केजरीवाल देंगे भारत सरकार के अध्यादेश को चुनौती!

» भाजपा भी पूरी तरह से तैयार, आप से होगी रार

» केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को पलट दिया?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली । अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग के मुद्दे पर मोदी सरकार और केजरीवाल सरकार एक-दूसरे की कोसने जुटी हैं। दिल्ली के अधिकारी किसकी सुनेंगे ये फैसला 11 मई को सुप्रीम कोर्ट में 5 जजों की बेंच ने कर दिया। जिसमें साफ कहा गया कि पब्लिक ऑर्डर, पुलिस और जमीन को छोड़कर उप-राज्यपाल बाकी सभी मामलों में दिल्ली सरकार की सलाह और सहयोग से ही काम करेंगे। यानी दिल्लककी बॉस केजरीवाल सरकार है। 8 दिन बाद ही केंद्र सरकार एक अध्यादेश लाई जिसमें सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को पलट दिया गया। यानी दिल्ली के बॉस वापस लेफ्टिनेंट गवर्नर बन गए। अब इस अध्यादेश को कानून बनने से रोकने के लिए अरविंद केजरीवाल सरकार विपक्ष के बड़े नेताओं से मिल रहे हैं।

भारत में कानून सिर्फ संसद के जरिए ही बन सकता है। आमतौर पर संसद के साल में 3 सत्र ही होते हैं, लेकिन कानून की जरूरत तो कभी भी पड़ सकती है। यहां पर रोल आता है अध्यादेश का। अगर सरकार को किसी विषय पर तुरंत कानून बनाने की जरूरत है और संसद नहीं चल रही तो अध्यादेश लाया जा सकता है। संसद सत्र चलने के दौरान अध्यादेश नहीं लाया जा सकता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 123 में अध्यादेश का जिक्र है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की सलाह पर राष्ट्रपति के पास अध्यादेश जारी करने का अधिकार है। ये अध्यादेश संसद से पारित कानून जितने ही शक्तिशाली होते हैं। अध्यादेश के साथ एक शर्त जुड़ी होती है। अध्यादेश जारी होने के 6 महीने के भीतर इसे संसद से पारित कराना जरूरी होता है। अध्यादेश के जरिए बनाए गए कानून को कभी भी वापस लिया जा सकता है। अध्यादेश के जरिए सरकार कोई भी ऐसा कानून नहीं बना सकती, जिससे लोगों के मूल अधिकार छीने जाएं। केंद्र की तरह ही राज्यों में राज्यपाल के आदेश से अध्यादेश जारी हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट जा सकती है आप

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग के मामले में केंद्र सरकार ने अध्यादेश लाकर सीधे सुप्रीम कोर्ट को चुनौती दी है। यह देश की सबसे बड़ी अदालत की इंसल्ट और उसके पावर को चैलेंज है। यह अध्यादेश अलोकतांत्रिक है और देश के फेडरल सिस्टम के लिए खतरनाक है। ऐसे में दिल्ली सरकार सुप्रीम कोर्ट में अध्यादेश को चुनौती देगी। इसका जवाब 1970 में आरसी कूपर बनाम भारत संघ के केस के फैसले में मिलता है। इस केस में फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रपति के निर्णय को चुनौती दी जा सकती है। इस मामले में संविधान बेंच बनाएं या नहीं, यह तय करने का अधिकार चीफ जस्टिस के पास होता है। ऐसे में साफ है कि कानूनी तौर पर केजरीवाल इस फैसले को कोर्ट में चुनौती दे सकते हैं।

रास सभा से रुक सकता है अध्यादेश

अध्यादेश को 6 महीने के अंदर संसद के दोनों सदनों से पास कराना जरूरी होता है। लोकसभा में बीजेपी और इसके गठबंधन दलों के पास बहुमत है। यहां आसानी से ये अध्यादेश पारित हो जाएगा, लेकिन राज्यसभा में इस अध्यादेश को पारित करवाना मुश्किल होगा। इसकी वजह ये है कि एनडीएए के पास राज्यसभा में बहुमत से 8 सदस्य कम हैं। ऐसे में इन्हें दूसरे दलों के मदद की जरूरत होगी। विपक्षी एकता के जरिए केजरीवाल राज्यसभा में इस अध्यादेश को हर हाल में रोकना चाहते हैं। एनडीए के पास 8 सदस्य कम पड़ेंगे। यानी इस अध्यादेश को पास कराने के लिए एनडीए के अलावा दूसरे दलों के समर्थन की भी जरूरत होगी। इस बात की संभावना जताई जा रही है कि बीजेपी आंध्र प्रदेश के सीएम जगनमोहन रेड्डी और ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक से समर्थन मांग सकती है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

यूपीएससी में भी लड़कियों का परचम

पछले कुछ सालों से रोजगार संबंधी परीक्षा हो या शैक्षणिक परीक्षा लड़कियां चारों ओर सफल होकर अपना लोहा मनवा रहीं है। परीक्षा में इशिता किशोर ने आल इंडिया ने नंबर 1 रैंक हासिल की है। उसके बाद गरिमा लोहिया, उमा हरथी एन और स्मृति मिश्रा रहीं। इस बार लड़कियों ने परीक्षा में दबदबा कायम किया है।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा 2022 परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। इसबार फिर शीर्ष चार स्थान पर लड़कियों ने बाजी मारी है। पिछले कुछ सालों से रोजगार संबंधी परीक्षा हो या शैक्षणिक परीक्षा लड़कियां चारों ओर सफल होकर अपना लोहा मनवा रहीं है। परीक्षा में इशिता किशोर ने आल इंडिया ने नंबर 1 रैंक हासिल की है। उसके बाद गरिमा लोहिया, उमा हरथी एन और स्मृति मिश्रा रहीं। इस बार लड़कियों ने परीक्षा में दबदबा कायम किया है। यूपीएससी सिविल सर्विसेज परीक्षा के फाइनल रिजल्ट में कुल 933 उम्मीदवार नियुक्ति के लिए चयनित किए गए हैं। इनमें से 345 कैंडिडेट्स अनारक्षित, 99 ईडब्ल्यूएस, ओबीसी से 263 एससी से 154 तथा एसटी कैटेगरी से 72 उम्मीदवार शामिल किए हैं। आईएएस के पद पर चयन के लिए 180 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। जबकि 178 उम्मीदवारों की रिजर्व सूची भी तैयार की गई है।

अन्य टाप टेन प्रतिभागी हैं मयूर हजारिका,गहना नव्या जेम्स,वसीम अहमद भट,अनिरूद्ध यादव ,कनिका गोयल,राहुल श्रीवास्तव। सिविल सेवा परीक्षा 2022 के अंतिम परिणाम में पहला स्थान इशिता किशोर (रोल नंबर 5809986) ने प्राप्त किया है। दिल्ली विश्वविद्यालय से इकनॉमिक्स की पढ़ाई की इशिता भारतीय प्रशासनिक सेवा में जाना चाहती हैं। इशिता किशोर अपने चयन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मुझे सफलता की पूरी उम्मीद थी, लेकिन मेरिट लिस्ट में पहले स्थान प्राप्त होना मेरे लिए सुखद आश्चर्य है। अखिल भारतीय सेवाओं में सीधे ग्रुप ए और बी पदों पर नियुक्ति दिलाने वाली सिविल सेवा परीक्षा में पहला स्थान प्राप्त करने वाली इशिता किशोर भारतीय प्रशासनिक सेवा सेवा में जाना चाहती हैं। इशिता किशोर ने कॉमर्स की पढ़ाई करने के बाद एक मल्टी नेशनल कंपनी में बतौर रिस्क एडवाइजर की नौकरी ज्वाइन की। हालांकि, भारतीय प्रशासनिक सेवा में जाने का सपना उन्हें सिविल सेवा परीक्षा की तरफ ले आया। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने से पहले इशिता ने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद कई निजी संगठनों में इंटर्नशिप भी की, इनमें सीआरवाई, गेल इंडिया लिमिटेड, आदि शामिल हैं। इसके बाद इशिता ने खेल एवं युवा मंत्रालय में इंडो-चाइना यूथ डेलीगेशन में बतौर डेलीगेट काम किया। फिर इशिता एमएनसी में एनालिस्ट बनीं, जिसके बाद उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की। योग्यता सूची के आधार पर चयनित उम्मीदवारों को भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और केंद्रीय सेवाएं, ग्रुप ए और ग्रुप बी के लिए नियुक्त किया जाएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चुनावी गारंटी लागू करने का अर्थशास्त्र

के.एस. तोमर

यद्यपि कर्नाटक प्रदेश पर पिछली भाजपा सरकार के समय का 5 लाख 60 हजार करोड़ का ऋण है, लेकिन सत्ता संभालते ही अपनी पहली मंत्रिमंडल की बैठक में सिद्धारमैया सरकार ने पांच गारंटी को लागू करने का फैसला लिया है जिस पर 50000 करोड़ की भारी-भरकम राशि खर्च होने का अनुमान है। इसके साथ ही यदि सरकार ने सभी चुनावी वादे पूरे करने का फैसला लिया तो यह खर्च 2 लाख 42 हजार करोड़ को भी पार कर जाएगा। घोषणापत्र को लागू करने की दिशा में मंत्रिमंडल ने अधिसूचना जारी करने का निर्णय लिया है कि पांचों गारंटी को लागू किया जाएगा।

इसके अंतर्गत हर परिवार को 200 यूनिट मुफ्त बिजली, परिवार की मुखिया महिला को हर माह 2000 रुपये, गरीबी की रेखा से नीचे रहने वाले हर परिवार के सदस्यों को 10 किलो मुफ्त राशन, बेरोजगार स्नातक को दो वर्ष तक हर माह 3000 और डिप्लोमा धारक को 1500 रुपये और महिलाओं को राज्य में मुफ्त बस सेवाएं उपलब्ध करवाने के निर्णय हैं। इसके अलावा पार्टी के घोषणापत्र में बंद पड़ी कृष्णा, अपर कृष्णा और अपर भाद्रपद परियोजनाओं को भी पूरा करने की बात कही गई है जिस पर 2 लाख करोड़ की लागत का अनुमान है। इसके साथ ही कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली पर 2000 करोड़ वार्षिक खर्च आयेगा। इसके अतिरिक्त सरकार ग्रामीणों के साथ किए गये वादों को भी पूरा करेगी। अपनी चुनावी रैलियों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने वादा किया था कि सत्ता में आने पर उनकी सरकार मंत्रिमंडल की पहली बैठक में इन गारंटी पर मोहर लगाएगी और यह वादा पूरा भी किया है। कांग्रेस सरकार को इन पांच मुख्य चुनावी गारंटी को अमली जामा पहनाने पर हर वर्ष 40 हजार करोड़ खर्च करने होंगे जो राज्य बजट का 15 प्रतिशत है। इसके अलावा राहुल गांधी ने हर मछुआरे को 10 लाख का मुफ्त बीमा और इस समुदाय की हर महिला को 1 लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण और 25 रुपये अनुदान पर रोजाना 200 लीटर डीजल देने का भी वादा किया है।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस समय वर्ष 2003 से कर्नाटक के 3 लाख कर्मचारी नयी पेंशन स्कीम के अंतर्गत आते हैं, जिसे केंद्र की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने लागू किया था। अब यदि पुरानी पेंशन स्कीम बहाल की जाती है तो प्रदेश पर हर साल 2000 करोड़ का वित्तीय बोझ पड़ेगा और आने वाले वर्षों में यह और बढ़ेगा। हाल ही में हिमाचल सरकार द्वारा भी पुरानी पेंशन बहाली का निर्णय

लागू किया गया, लेकिन केंद्र सरकार ने एनपीएस में जमा 8000 करोड़ को वापस करने से मना करके प्रदेश सरकार को मुश्किल में डाल दिया है। यह वह राशि है जो हिमाचल के कर्मचारियों और सरकार के योगदान से पिछले 18 वर्षों में एनपीएस में जमा की गई थी। इसी तरह केंद्र ने राजस्थान सरकार द्वारा एनपीएस में जमा 36000 करोड़ लौटाने से भी इंकार कर दिया है। राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने भी पुरानी पेंशन स्कीम लागू कर दी है और गहलोत सरकार को पूरा विश्वास है कि नवम्बर में होने वाले विधानसभा चुनावों में इसका लाभ कांग्रेस को मिलेगा। समझा जाता है कि इसी तर्ज़ पर केंद्र सरकार कर्नाटक के एनपीएस में जमा 19000 करोड़ भी लौटाने से इंकार कर देगी। इसलिए अब कर्नाटक सरकार को अन्य संसाधनों से धन का प्रावधान करना होगा। अब रिजर्व बैंक ने भी राज्य सरकारों को आगाह किया है कि वे ओपीएस लागू न करें क्योंकि आने वाले समय में इस कारण से देनदारियां इतनी बढ़ जाएंगी कि भविष्य में अर्थव्यवस्था खतरे में पड़ सकती है। इसके साथ ही 10 लाख नौकरियों के साथ 2 लाख 50 हजार रिक्त पदों को भरना भी राज्य के वित्तीय संसाधनों पर असर डालेगा। पिछले कार्यकाल के दौरान कांग्रेस के तत्कालीन मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 50000 करोड़ की लागत से कृष्णा, अपर कृष्णा और अपर भाद्रपद जैसी सिंचाई योजनाओं का ऐलान किया था जिन पर 58000 करोड़ का खर्च किया गया था। अब और भी बड़ी चुनौती सामने है कि अगले पांच वर्षों तक इन परियोजनाओं को पूरा करने पर हर वर्ष 40000 करोड़ का इंतजाम करना कठिन होगा।

वैसे आर्थिक विशेषज्ञों को विश्वास है कि कर्नाटक घोषित वित्तीय गारंटियों का भार उठाने की क्षमता रखता है। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में खुलासा किया था कि राज्य का 2022-2023 के राजस्व का लक्ष्य बिना जीएसटी के 72000 करोड़ था जबकि यथार्थ में जनवरी तक 83010 करोड़ इकट्ठा हुए थे। कहा जा सकता है कि राजस्व निरंतर बढ़ेगा। अगले 3 वर्षों में सरकार 1 लाख 70 हजार करोड़ का ऋण ले सकेगी जिस कारण वर्ष 2026-2027 तक ऋणभार बढ़कर 7 लाख 30 हजार करोड़ हो सकता है।

निरंतर निवेश से ही वैज्ञानिक अनुसंधान संभव

दिनेश सी. शर्मा

हिंगोली महाराष्ट्र के मराठवाड़ा इलाके में एक शहर और जिला मुख्यालय भी है। यह भू-भाग 1948 तक हैदराबाद के निजाम के अधीन था और इसका प्रयोग सैनिक आधार शिविर की तरह होता था। यह जिला अब एक वैश्विक स्तरीय परियोजना की जमीन होने की नई पहचान पाने जा रहा है, इस परियोजना का नाम है ,लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल-वेव ऑब्जर्वेटरी (लीगो)। लीगो एक अति विशाल भौतिकी प्रयोग होगा, जिसका मंतव्य कॉस्मिक ग्रेविटेशनल वेव्स की पहचान करना है। इस किस्म की दो प्रयोगशालाएं अमेरिका के हैनफोर्ड और लिविंगस्टोन में हैं और एक-एक इटली एवं जापान में काम कर रही है। हिंगोली परियोजना इस नेटवर्क का हिस्सा होगी, जिसका निर्माण कार्य 2030 तक पूरा होना है। इसके भीतर अंग्रेजी के 'एल' आकार का 4 किमी लंबा इंटरफेरोमीटर गलियारा होगा। प्रधानमंत्री ने पिछले हफ्ते राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर दिल्ली के प्रगति मैदान से टेलीकॉन्फ्रेंस के जरिये 1200 करोड़ रुपये मूल्य वाली इस परियोजना का शिलान्यास किया है।

जहां अधिकांश वैज्ञानिक समुदाय आखिरकार इस विशाल अनुसंधान परियोजना का आरंभ होने से खुश हैं, वहीं यह अवसर इस किस्म की वैज्ञानिक परियोजनाओं और अन्य सामान्य स्तर के वैज्ञानिक मूल अनुसंधान के प्रति हमारे रवैये को जानने का मौका प्रदान करता है। भारतीय संस्थानों के एक संयुक्त समूह ने वर्ष 2009 में ग्रेविटेशनल वेव्स पर काम करना शुरू किया था और इस हेतु भारत में एक वेधशाला स्थापित करने के विचार ने जन्म लिया। अमेरिका स्थित लीगो प्रयोगशाला ने वर्ष 2011 में भारतीय साइंसदानों को इस परियोजना में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण दिया था। इस ओर सोचना शुरू हुआ और उसी साल भारत के वैज्ञानिक समूह ने लीगो का भारतीय संस्करण बनाने की दिशा में विस्तृत प्रस्तावना रिपोर्ट बनाकर भारत सरकार के अणु ऊर्जा विभाग और विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय को सौंप दी। अगले साल, 2012 में एक कमेटी ने परियोजना की अनुशंसा करते हुए इसके लिए धन जारी करने की सिफारिश भी कर दी।

लेकिन अगले चार वर्षों तक लालफीताशाही का सामना करने के बाद यह परियोजना केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा फरवरी, 2016 में सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर ली गई। परंतु, भारत के बेहतरीन साइंसदानों की अनुशंसा के बावजूद यह सम्मानित परियोजना बनाने की अंतिम मंजूरी देने में कैबिनेट को सात साल लगे! यह रवैया विज्ञान क्षेत्र में अनुसंधान पर सरकार की तथाकथित 'त्वरित फैसले' वाली नीति की सच्चाई के बारे में बहुत कुछ बताता है। यह प्रसंग भारत में अनुसंधान एवं विकास के लिए धन जारी करने में कोताही को परिलक्षित करता है। पिछले साल नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक सकल घरेलू खर्च आधारित अनुसंधान एवं विकास कार्य सूचकांक बताता है कि इस मद में खर्च, पिछले दस सालों से सकल घरेलू उत्पाद का महज 0.7 प्रतिशत पर अटका हुआ है। यह ब्राज़ील के 1.16 प्रतिशत और दक्षिण अफ्रीका (0.8 फीसदी) से भी कम है और चीन (2.14 प्रतिशत) से तो काफी नीचे है। रिपोर्ट कहती है कि इतने कम अनुदान के साथ अनुसंधान एवं विकास की गति में जाहिर है ठहराव बन जाएगा।

नीतियों में ऊंचे ध्येय तय तो किए जाते हैं लेकिन प्राप्ति हेतु पर्याप्त धन नहीं दिया जाता और न उन पर काम शुरू किया जाता है। विज्ञान एवं नूतन खोज (एसटीआई) नीति 2013 में भारत को वर्ष 2020 तक विश्व की पांच चोटी की वैज्ञानिक ताकतों में एक देखने का लक्ष्य तय किया गया था। नौ साल बाद, एसटीआई-2022 नीति में कुछ सुधारों के साथ फिर से यही शब्द और अस्पष्ट लक्ष्य दोहराया गया। इस दफा, भारत को अनुसंधान के गुणवत्तापूर्ण परिणाम पाने में, वर्ष 2030 तक विश्व के चोटी के पांच देशों में स्थान बनाने का लक्ष्य है। हमारे नीति निर्माता यह समझने में विफल रहे हैं केवल ध्येय प्राप्ति के साल में बदलाव करना, परियोजनाओं के लिए धन जारी करने और मूल अनुसंधान का विकल्प नहीं हो सकता। हालिया वर्षों में, कोविड-19 की वैक्सीन विकसित एवं निर्मित करने और डिजिटल उपाय जैसे कि कोविन एवं यूपीआई की सफलता को भारत की बढ़ती वैज्ञानिक शक्ति का सबूत कहा जा रहा है, और यह सही भी है। यह सब पिछले कई दशकों से नए अनुसंधान संस्थान स्थापित करते जाने और उन्हें खोज कार्य के लिए धन निरंतर मुहैया करवाकर प्रफुल्लित करने की बदौलत हो पाया है।

कई दशकों तक, राष्ट्रीय खजाने से जारी धन से राष्ट्रीय प्रयोगशालाएं, उच्चतर शैक्षणिक संस्थान एवं विश्वविद्यालय बनाकर तकनीकी क्षमता पैदा की गई और इनकी खोजों का इस्तेमाल निजी क्षेत्र ने किया। उदाहरणार्थ, निजी क्षेत्र की कंपनियां उक्त संस्थानों द्वारा विकसित तकनीक से वैक्सीन और जेनरिक दवाएं बनाती हैं। 1970 के दशक से, भारतीय विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के तत्वावधान में चलने वाली प्रयोगशालाओं ने दवाएं एवं वैक्सीन बनाने, क्लीनिकल ट्रायल इत्यादि करने की क्षमता विकसित की है और निजी क्षेत्र को यह तकनीक हस्तांतरित करके व्यावसायिक विकास में सहायता की है। भारत बायोटेक और शांता बायोटेक्निक्स जैसी कंपनियों ने अपनी शुरुआत जैव-तकनीकी विभाग और तकनीक विकास बोर्ड जैसे विभागों का हाथ पकड़कर की । निजी क्षेत्र की वैक्सीन निर्माण कंपनियों को सैकड़ों करोड़ की विकास राशि मुहैया करवाई गई है।

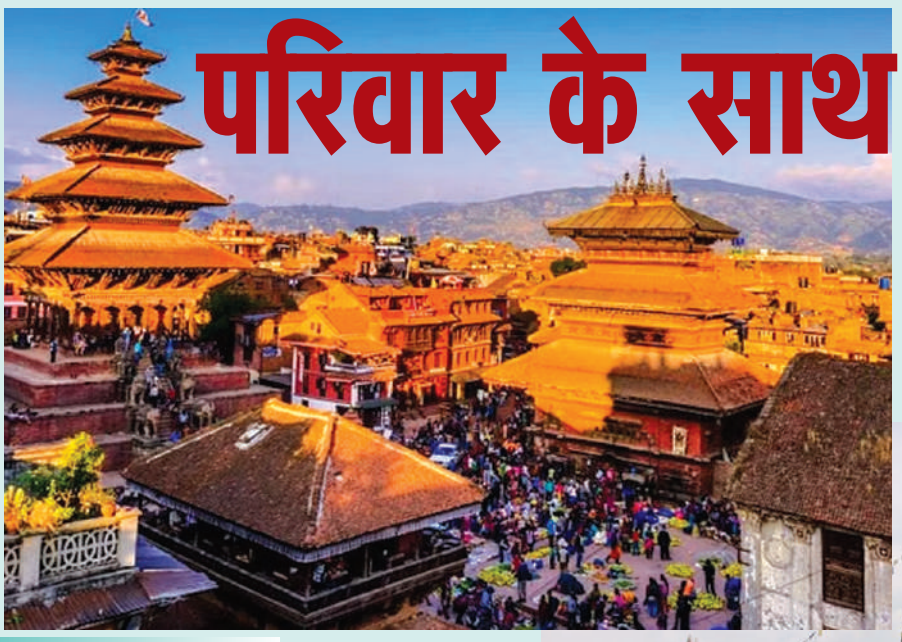

परिवार के साथ छुट्टियां मनाने जाएं नेपाल

काठमांडू

नेपाल की राजधानी काठमांडू से सफर की शुरुआत करें। इस शहर में पूरे साल ठंड रहती है। गर्मियों के मौसम में काठमांडू घूमने के लिए बेहतरीन जगह है। यहां पर कई मठ और मंदिर हैं, जहां आप आध्यात्मिक और प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले सकते हैं।

स्वयंभूनाथ मंदिर

काठमांडू शहर के पास ही स्वयंभूनाथ मंदिर स्थित है। नेपाल ट्रिप पर जाएं तो इस मंदिर के दर्शन जरूर करें। यह काठमांडू का सबसे प्रसिद्ध और महत्वपूर्ण मंदिर है। यहां स्वयम्भू स्तूप बने हैं और ढेरों बंदरों से घिरा है। इस कारण इस जगह को मंकी टेंपर कहते हैं।

अधिकतर भारतीय विदेश जाने की इच्छा रखते हैं। हालांकि विदेश में घूमने को लेकर उनमें कुछ झिझक रहती है। भारतीयों के लिए किसी दूसरे देश की यात्रा न कर पाने की कई वजह होती हैं, जिसमें विदेशी भाषा का ज्ञान न होना, बजट से बाहर की ट्रिप होना और पासपोर्ट व वीजा के लिए मशक्कत करना शामिल है। लेकिन कई ऐसे देश हैं, जहां न तो आपको पासपोर्ट और वीजा की जरूरत होती है और न ही भाषीय ज्ञान की सीमा। यात्रा भी उतने ही पैसों में की जा सकती है, जितनी भारत के ही किसी दूसरे राज्य या शहर के सफर पर खर्च होता। ऐसे देशों की सूची में भारत का पड़ोसी मुल्क नेपाल शामिल है। नेपाल भारत की सीमा पर सटा देश है, जहां की संस्कृति भारत से मिलती जुलती है। छुट्टियां मनाने के लिए परिवार, दोस्तों या पार्टनर के साथ नेपाल जा सकते हैं। नेपाल में धार्मिक स्थल भी हैं और प्राकृतिक नजारों वाली दार्शनिक जगहें भी। नेपाल घूमने का खर्च भी कम है। लेकिन आपको नेपाल के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के बारे में पता होना चाहिए ताकि कोई भी खास दार्शनिक स्थल आपसे छूटे नहीं।

फेवा झील पोखरा

फेवा झील नेपाल में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली जगह है। फेवा, नेपाल के पोखरा घाटी में एक ताजे पानी की झील है। यह स्थान मानव निर्मित और प्राकर्तिक चीजों का मिश्रण है। क्योंकि इस झील को एक बाँध की मदद से जांच में रखा जाता है। इस झील के एक द्वीप पर बाराही मंदिर स्थित है, जो आप देखने जा सकते हैं। जलप्रपात के अलावा पोखरा में फेवा झील भी देखने जा सकते हैं। जहां पर्यटक नौका विहार का लुत्फ उठा सकते हैं। फेवा झील के उत्तर-पूर्वी किनारे से आप झील का खूबसूरत नजारा देख सकते हैं। झील के किनार बैठकर अपनों संग समय बिता सकते हैं।

देवी फॉल, पोखरा

नेपाल के पोखरा में मनमोहक जगह है। यहां देवी फॉल स्थित है, इस झरने की धारा अचानक गायब होकर भूमिगत हो जाती है। देवी फॉल जाने का सबसे उपयुक्त समय मानसून है। हजारों पर्यटक देवी फॉल के मनमोहक नजारों को देखने के लिए आते हैं। देवी फॉल लोगों को अपनी तरह आकर्षित करता है और हर साल काफी संख्या में सैलानी यहां पहुंचते हैं।

हंसना मना है

टीटू - स्टेशन जाने का कितना लोगे? रिक्शावाला - 50, टीटू- 20 ले लो... रिक्शावाला - 20 में कौन ले जाएगा? टीटू- तुम पीछे बैठो हम ले जाएंगे।

पति- पत्नी का झगड़ा हो रहा था तो पति बोलता है-पति- तुम ब्यूटी पार्लर में 5000 का कबाड़ा करके आती हो उसका क्या? पत्नी- वो तो मैं तुम्हें सुंदर दिखूं इसलिए। पति- पगली तो मैं भी तो इसलिए पीता हूं कि तू मुझे सुंदर लगे।

पत्नी- आपने कुछ सुना... पति- क्या...? पत्नी- जिन पंडित जी ने अपनी शादी करवाई थी आज वो मर गए, पति- कभी न कभी तो उसे अपने कर्मों का फल मिलना ही था...

गोलू- भाई मुझे हाथ देखना आता है... भोलू- अच्छा मेरा देख जरा... गोलू- तुम्हारी हस्तरेखा बताती है कि तुम्हारे घर के नीचे बहुत धन है, भोलू- ठीक कहा आपने, मेरे घर के नीचे बैंक की ब्रांच है!

बहन को रोता देखकर भाई- क्यों रो रही हो? बहन- मेरे नंबर बहुत कम हैं। भाई- कितने नंबर आए हैं? बहन- केवल 90 प्रतिशत, भाई- बहन रहम कर, इतने में तो हम जैसे दो लड़के पास हो जाते हैं...

कहानी | उम्र बढ़ाने वाला पेड़

एक समय की बात है जब बादशाह अकबर का परचम पूरे विश्व में फैलने लगा था। उसी दौरान तुर्किस्तान के बादशाह को अकबर की बुद्धिमत्ता की परीक्षा लेने की सूझी। तुर्किस्तान के बादशाह ने अपने दूत को संदेश पत्र देकर कुछ सिपाहियों के साथ दिल्ली रवाना किया। बादशाह ने पत्र में लिखा था 'मुझे सुनने में आया है कि भारत में ऐसा पेड़ है, जिसके पत्ते को खाकर इंसान की आयु बढ़ाने में मदद मिल सकती है। अगर यह बात सच है, तो मेरे लिए उस पेड़ के कुछ पत्ते जरूर भेंजे।' जब अकबर ने उस पत्र को पढ़ा, तो वह सोच में पड़ गए। इस चिंता से उबरने के लिए अकबर ने बीरबल का सहारा लिया। बीरबल की सलाह पर बादशाह अकबर ने तुर्किस्तान से आए सिपाहियों और दूत को कैद करने का आदेश दिया। सिपाही और दूत के कैदखाने में कई दिन बीत जाने के बाद अकबर और बीरबल एक दिन उनसे मिलने गए। अकबर और बीरबल को आते देख कर वो सोचने लगे कि उन्हें रिहाई मिल जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बादशाह अकबर जब उनके पास पहुंचे, तो उन्होंने दूत से कहा 'जब तक इस किले की एक-दो ईंट गिर नहीं जाती, तब तक आप लोगों को आजाद नहीं करेंगे। ऐसा होने तक आप सभी के लिए यहां खाने-पीने का पूरा इंतजाम किया जाएगा।' इतना कहकर बादशाह अकबर और बीरबल वहां से चले गए। उनके जाने के बाद दूत और सिपाही कैद से निकलने के लिए उपाय सोचने लगे। जब कोई रास्ता नजर नहीं आया, तो भगवान से प्रार्थना करने लगे। जल्द ही उनकी प्रार्थना रंग लाई और कुछ दिनों बाद अचानक तेज भूकंप आया और भूकंप के कारण किले का एक भाग टूटकर गिर गया। यह घटना के बाद दूत ने अकबर के पास किले की दीवार गिरने की खबर भिजवाई। यह खबर सुनते ही बादशाह अकबर को अपना वादा याद आया और उन्होंने तुर्किस्तान के दूत व सिपाहियों को दरबार में प्रस्तुत होने का आदेश दिया। उनके दरबार में पहुंचते ही बादशाह अकबर बोले 'अब तो आप सबको अपने बादशाह के द्वारा भेजे गए पत्र का उत्तर मिल गया होगा। अगर अब भी आपको समझ नहीं आया है, तो मैं समझा देता हूं। तुम सिर्फ 100 लोग हो और तुम्हारी आह सुनकर किले का एक हिस्सा गिर गया, तो सोचो जिस देश में हजारों लोगों पर अत्याचार होते हैं, उस देश के बादशाह की आयु कैसे बढ़ेगी। लोगों की आह से उसका पतन तो निश्चित है। हमारे भारत देश में किसी गरीब पर अत्याचार नहीं होता। यही होता है आयुवर्धक वृक्ष।' उसके कुछ दिन बाद बादशाह ने उन सभी को उनके देश भेज दिया है और रास्ते में होने वाले खर्चे के लिए कुछ पैसे भी दिए। दूत ने तुर्किस्तान पहुंचकर भारत में घटित सारी बात विस्तार से बादशाह को बताए। अकबर-बीरबल की बुद्धिमत्ता देखकर तुर्किस्तान के बादशाह ने दरबार में उनकी बहुत प्रशंसा की।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई पुराना रोग बाधा का कारण हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा।

वृषभ
धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे।

मिथुन
वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क
वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी।

सिंह
स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा।

कन्या
किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

तुला
आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।

वृश्चिक
आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा।

धनु
जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है। विवाद न करें। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी।

मकर
कोई अनहोनी होने की आशंका रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

कुम्भ
आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी।

मीन
यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा।

अब ओटीटी पर दिखेगा भाईजान का दबंग अंदाज

बॉलीवुड | गणशप

सलमान खान इन दिनों लगातार लाइमलाइट बटोर रहे हैं। एक्टर हाल में किसी का भाई किसी की जान में नजर आए थे। हाल ही में खबर सामने आई है कि सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद अब भाईजान ओटीटी पर अपना दबंग अंदाज दिखाने वाले हैं। जी हां, एक्टर अपने ओटीटी डेब्यू के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इस खबर के सामने आने के बाद से सलमान के फैंस काफी एक्साइटेड हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्टर जल्द ही ओटीटी पर डेब्यू करने वाले हैं। एक मीडिया संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार, सलमान को यह ओटीटी वेब सीरीज का कॉन्सेप्ट पसंद आया है और उन्होंने एक एक्शन आधारित वेब सीरीज पर ध्यान केंद्रित किया है। फिलहाल सब कुछ अपने प्राइमरी स्टेज में है और इस पर आधिकारिक तौर पर कुछ कहा नहीं जा सकता है।

रिपोर्ट्स में बताया गया है कि, सलमान इस प्रोजेक्ट को लेकर बहुत एक्साइटेड हैं और उन्होंने इस ओटीटी प्रोजेक्ट को हां कर दिया है और इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है। सलमान खान के पास एक और फिल्म है आदित्य चोपड़ा की, जिसमें शाह रुख खान के भी होने की खबर है।

अगर बात करें तो सलमान हमेशा एक फैमिली एंटरटेनर फिल्म बनाते हैं, तो इस बार भी किसी एडल्ट कंटेंट नहीं होने की उम्मीद जताई जा रही है। अपने इंटरव्यू में सुपरस्टार ने बताया कि कैसे उन्हें एडल्ट कंटेंट पसंद नहीं है और वह पूरी तरह से इसके खिलाफ हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा कि ओटीटी पर सेंसरशिप होनी, क्या आपको अच्छा लगेगा कि आपकी 15-16 साल की बेटी ये सब देखे, पढ़ाई के बहाने। बता दें कि एकटर जल्द ही बिग बॉस ओटीटी को होस्ट करते नजर आने वाले हैं। शनिवार को बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 के लिए प्रोमो शूट किया और अगले महीने ही शो शुरू होने वाला है।

शेफ तरला दलाल के किरदार में छाई हुमा कुरैशी

हुमा कुरैशी की फिल्म तरला का टीजर रिलीज हो गया है। यह आगामी बायोपिक फिल्म है जो मशहूर शेफ और फूड राइटर तरला दलाल के जीवन पर आधारित है। टीजर में उनके जीवन के बेहतरीन पलों को दिखाया गया है और वह खाने के प्रति अपने प्यार को प्रदर्शित करती हैं। महत्वाकांक्षी व्यक्ति के रूप में दिया गया है। वह अपने जीवन में कुछ करना चाहती है, लेकिन वह इसी उधे?बुन में हैं कि आखिर उन्हें करना क्या है। समय के साथ उन्हें खाना पकाने के प्रति अपने प्यार का एहसास होता है और वह शौकिया रसोइया से पेशेवर रसोइया बन जाती है। बाद में वह अपनी कुकिंग क्लासेस और टेलीविजन शो खोलती है।

फैंस कर रहे इंतजार

टीजर भोजन से परे तरला के जीवन की झलक भी देता है, इसमें उसके पति और परिवार को दिखाया गया है। टीजर फिल्म को सेलिब्रिटी शेफ के बारे में एक अच्छी कहानी के रूप में स्थापित करता है। इस फिल्म का हुमा के फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं बेहतर फिल्में कर सकती थी लेकिन फिल्ममेकर मुझे मौके नहीं देते थे : कृति

अभिनेत्री कृति सेनन इंडस्ट्री की चर्चित एक्ट्रेस में शुमार हैं। गैर फिल्मी पृष्ठभूमि से आने के बाद भी सिनेमा की दुनिया में उन्होंने एक लंबी लकीर खींची है। करीब नौ वर्ष पहले कृति ने फिल्म हीरोपंती से बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद वह बरेली की बर्फी, लुका छुपी और मिमी जैसी तमाम फिल्मों में काम कर चुकी हैं। आज भले ही उनका अपना एक कद है, लेकिन एक वक्त ऐसा था, जब उन्हें फिल्में नहीं मिला करती थीं। हाल ही में कृति ने अपने उस दौर पर बात की। कृति सेनन का कहना है कि जब आप एक फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते हैं तो इंडस्ट्री में लोगों को आपका नाम याद रखने में काफी वक्त लग जाता है। मैं लोगों को अपने नाम से परिचित कराना चाहती थी और वह नाम प्रतिभा के साथ बनता है। मेरे अंदर हमेशा से एक फिल्म स्टार के रूप में पहचान बनाने की भूख रही। यह शुरुआत बरेली की बर्फी से हुई। इसके बाद लुकाछिपी ने भी अच्छा किया। इन फिल्मों के जरिए छोटे ही सही, लेकिन सही दिशा में मेरे कदम बढ़ रहे थे। इसके बाद मिमी ने सबकुछ बदलकर रख दिया और मुझे पहली बार बेस्ट एक्टर अवॉर्ड्स मिले। यहां तक पहुंचने में मुझे आठ साल लगे। बातचीत के दौरान कृति से पूछा गया कि जब आपको लगता था कि आप बेहतर फिल्में कर सकती हैं, लेकिन फिल्म मेकर मौका देने को तैयार नहीं थे तो आपको कैसा महसूस होता था? इस पर एक्ट्रेस ने कहा, यह बहुत निराशाजनक था। इस तरह के कई मूमेंट्स आए। मुझे पता था कि मैं कर सकती हूं, लेकिन उस तरह के मौके मेरे पास नहीं थे। एक्ट्रेस ने आगे कहा, जब आप बाहर से आते हैं तो आप लोगों को नहीं जानते। लोग भी आपको नहीं जानते हैं। अपना प्रभाव जमाने में आपको वक्त लगता है और लोगों को भी आपसे जुड़ने में वक्त लगता है। ऐसे में आपको जो काम मिल रहा है, उसी में बेहतर करके आप खुद को साबित कर सकते हैं। कृति सेनन का कहना है कि जरूरी नहीं कि जो भी आप करें वह दुनिया का बेस्ट हो, लेकिन हर फिल्म ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो कृति जल्द ही प्रभास के साथ फिल्म आदिपुरुष में नजर आएंगी।

डालर के साइन में क्यों बना है यस पाउंड को एल साइन से क्यों दर्शाते हैं?

अगर आप भारत में रहते हैं तो मुमकिन है कि आपने कभी डॉलर या पाउंड को ना देखा हो। हालांकि, जिस हिसाब से भारतीय विदेश यात्राओं पर निकल रहे हैं, अधिकतर लोग डॉलर और पाउंड के बारे में जानते ही होंगे। हम यहां अमेरिकी डॉलर और ब्रिटिश पाउंड के बारे में बात कर रहे हैं। अमेरिकी डॉलर का साइन $ ये होता है जबकि पाउंड का सिंबल ऐसा होता है। अब तो भारतीय रुपये का भी साइन बन चुका है। भारतीय रुपये के साइन को आप देखेंगे तो पाएंगे कि वो हिन्दी का 'र' अक्षर है। 'रुपये' से 'र' साइन निकला है, ये तो समझ आता है, पर 'डॉलर', जो अंग्रेजी अक्षर 'D' से लिखा जाता है, उसे दर्शाने के लिए 'S' अक्षर का साइन क्यों बनाया जाता है? उसी प्रकार 'पाउंड' को भी दर्शाने के लिए 'L' अक्षर से बना साइन चुना गया है। आज हम आपको इन दोनों ही साइन से जुड़ा ये फैक्ट बताने वाले हैं जिससे आपको समझ आएगा कि आखिर डालर और पाउंड को लिखने के लिए S और L का प्रयोग क्यों करते हैं। हिस्ट्री वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार साउथ अमेरिका की धरती पर स्पैनिश एक्सप्लोरर्स को काफी संख्या में चांदी मिला। यहां से चांदी लेकर स्पैनिश लोगों ने चांदी का सिक्का बनाना शुरू कर दिया जिसे peso de ocho कहते थे और शॉर्ट में pesos। इस पेसोस के लिए एक निशान चुना गया। पूरा शब्द लिखने की जगह उन्होंने (ps) निशान चुना पर जो S था, वो P के ऊपर था। धीरे-धीरे P के आगे का गोला गायब हो गया और डंडी रह गई, इसी के साथ S के ऊपर सिर्फ एक डंडी बची जो इस तरह दिखने लगी। ये निशान सबसे पहले 1770 के मिले स्क्रिप्ट्स में देखने को मिलता है। यानी यूनाइटेड स्टेट्स के निर्माण से पहले ही ये सिंबल अस्तित्व में आ गया था। अब बताते हैं कि पाउंड को एल का साइन कैसे मिला। लैटिन में एक पाउंड पैसों को लिब्रा कहा जाता था। बस इसी लिब्रा के एल से पाउंड स्टर्लिंग का निशान £ बना है। लगे हाथ आपको बता दें कि भारतीय मुद्रा के चिन्ह को उदय कुमार ने बनाया था। इस चिन्ह को वित्त मंत्रालय द्वारा आयोजित एक खुली प्रतियोगिता में प्राप्त हजारों डिजायनों में से चुना गया है। इस प्रतियोगिता में भारतीय नागरिकों से रुपए के नए चिन्ह के लिए डिजाइन आमंत्रित किए गए थे।

अजब-गजब | 2500 वर्ष पूर्व खींवसर में भगवान महावीर ने किया था पहला चतुर्मास

अस्थिग्राम में महावीर स्वामी के साथ होती है राक्षस की पूजा!

महावीर स्वामी नागौर में भी आए थे। जी हां आज से 2500 वर्ष पूर्व नागौर के अस्थिग्राम यानी की खींवसर में भगवान महावीर स्वामी ने दीक्षा ग्रहण करने के बाद पहला चतुर्मास किया। ग्रामीण मनीष जैन बताते हैं यह गांव पहले अस्थिग्राम के नाम से जाना जाता था। यहां पर महावीर स्वामी भारत का भ्रमण करते पहुंचे। यह जैन समाज के लोगों का अति प्राचीन तीर्थ स्थल भी है।

खींवसर जिसको प्राचीन काल में स्थिग्राम के नाम से जाना जाता था। दरअसल ग्रामीण बताते हैं कि यहां पर व्यापारी व्यापार करने आए तो उनके बैल कीचड़ में फंस गए थे। उन व्यापारियों के साथ एक मजबूत बैल भी था। जिससे फंसे हुऐ बैलों को कीचड़ से बाहर निकाला। बैल के द्वारा बाकी बैलगाड़ियों को निकालने पर वह बैल थक गया और गर्मी ज्यादा होने के कारण बीमार हो गया। तब व्यापारियों ने उस बैल को ग्रामीणों को सौंप दिया और ग्रामीणों को सेवा करने के लिए कहा।

ग्रामीणों ने रुपये लेने के बावजूद भी बैल की सेवा नहीं की जिसके कारण बैल की तड़प-तड़पकर मृत्यु हो गई। बैल ने पुनर्जन्म में राक्षस (यक्ष) का रूप धारण कर लिया और अस्थिग्राम (खींवसर) के लोगों से बदला लेने लग गया। जिसके कारण गांव में चारों ओर अस्थियों का ढेर लग गया। इस कारण से इसे अस्थिग्राम के नाम से भी जाना जाता है।

मनीष जैन बताते हैं कि यहां पर जब महावीर स्वामी अस्थिग्राम पहुंचे तो अस्थियों का ढेर देखा तो ग्रामीणों से जानकारी ली। तब स्वामी के द्वारा यक्ष (राक्षस) को मोक्ष (मुक्ति) प्रदान किया गया। यक्ष को मोक्ष प्रदान करते समय स्वामी ने कहा कि जब तक मेरी पूजा होगी तब तक तुम्हारी भी पूजा होगी। आज भी खींवसर गांव में महावीर स्वामी के साथ यक्ष की भी पूजा होती है।

इस मंदिर की मान्यता है कि अगर कोई भी भक्त विश्व के किसी भी कोने से भगवान महावीर स्वामी से मन्नत मांगता है तो उसकी मनोकामना पूर्ण होती है। यहां पर हर वर्ष चैत्र सुदी शुक्ल त्रयोदशी व भाद्र पक्ष शुक्ल त्रयोदशी को मेला लगता है। यहां पर महावीर स्वामी के काल से एक खेजड़ी का वृक्ष लगा हुआ है और यहां पर नाड़ी (तालाब) भी बनी हुई है । यहां पर जैन धर्म के साथ सभी धर्मों के लोग महावीर स्वामी व यक्ष की पूजा करते हैं।

बढ़ रही है राहुल गांधी की लोकप्रियता

» मोदी का ग्राफ कुछ गिरा

» सर्वे में हुआ खुलासा: 24 से 27 फीसदी लोग पीएम के तौर पर राहुल को देखना चाहते हैं

2019 के चुनाव के मुकाबले 3 फीसदी बढ़ी राहुल की प्रसिद्धि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लगातार विपक्ष के उम्मीदवार को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। एक तरफ राहुल गांधी को इस पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। दूसरी तरफ विपक्षी दलों में राहुल गांधी को लेकर सर्वसम्मति फिलहाल नहीं बन पाई है।

ऐसे में मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज व मीडिया संस्थान ने साथ मिलकर सर्वे किया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि पीएम नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी में कौन जनता के बीच ज्यादा लोकप्रिय हैं। सर्वे में राहुल गांधी और नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता को लेकर कई दिलचस्प तथ्य सामने आए हैं।

देशभर के अलग-अलग हिस्सों में कराए गए सर्वे में लोगों से यह पूछा गया कि अगर आज चुनाव हुए तो पीएम के तौर पर किसे देखना चाहेंगे।

सर्वे में शामिल 43प्रतिशत लोगों ने नरेंद्र मोदी को बतौर पीएम अपनी पहली पसंद बताया। वहीं, 27 फीसदी लोगों ने कहा कि वो पीएम के तौर पर राहुल गांधी को देखना चाहते हैं।

सर्वे के मुताबिक, लोकप्रियता के मामले में राहुल गांधी को कुछ बढ़त मिलती दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी की लोकप्रियता की तुलना की जाए, तो पीएम मोदी की लोकप्रियता 43 फीसदी है, जबकि राहुल गांधी की लोकप्रियता 27 फीसदी है। दिलचस्प बात यह है कि 2019 से 2023 के बीच पीएम मोदी की लोकप्रियता 44 फीसदी से घटकर 43 फीसदी हो गई है, जबकि राहुल गांधी की लोकप्रियता 24 फीसदी से बढ़कर 27 फीसदी हो गई है. 2023 में राहुल गांधी की लोकप्रियता में 3 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. फिर भी लोकप्रियता के मामले में राहुल गांधी अभी पीएम मोदी से बहुत पीछे हैं।

भारत जोड़ो यात्रा से बढ़ा कद

सर्वे में शामिल लोगों से राहुल गांधी को लेकर सवाल किए गए. इनमें से 26 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्हें राहुल गांधी हमेशा से ही पसंद हैं। 15प्रतिशत लोगों ने कहा कि वो भारत जोड़ो यात्रा के बाद से राहुल गांधी को पसंद करने लगे हैं। सर्वे में शामिल 16प्रतिशत लोगों ने कहा कि वो राहुल गांधी को पसंद नहीं करते हैं। जबकि 27प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्हें राहुल गांधी न तो अच्छे लगते हैं और न बुरे लगते हैं। वहीं, 16 फीसदी लोगों ने कोई जवाब नहीं दिया।

मोदी को चैलेंज करेंगे राहुल

अगले साल होने जा रहे लोकसभा चुनाव में 34 फीसदी लोगों ने राहुल गांधी को पीएम नरेंद्र मोदी का चैलेंजर माना है। 11 प्रतिशत लोगों ने अरविंद केजरीवाल को जबकि 5 प्रतिशत लोगों ने अखिलेश यादव पीएम मोदी का चैलेंजर माना है। 2023 के चुनाव को लेकर बिहार के सीएम नीतीश कुमार विपक्ष को एकजुट करने में लगे हैं। लेकिन सर्वे में सिर्फ 1 फीसदी लोगों ने उन्हें पीएम मोदी का चैलेंजर माना है। जबकि 18 प्रतिशत लोगों ने अन्य को मोदी का चैलेंजर माना।

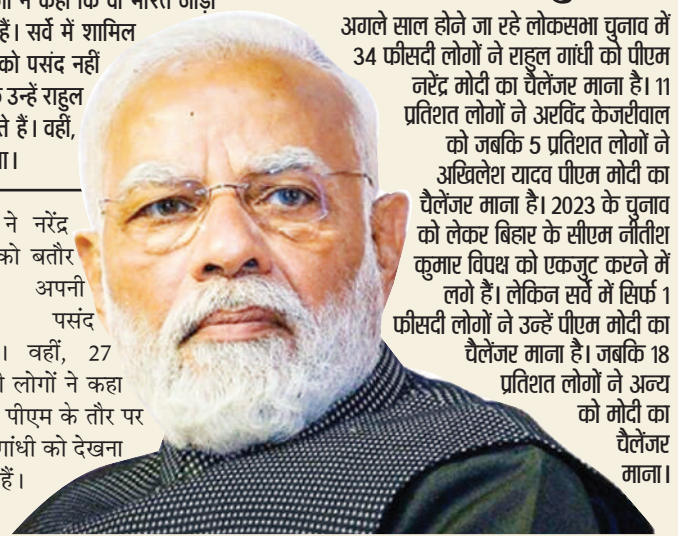

गाड़ियों की जबरन जब्ती गलत: पटना हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना उच्च न्यायालय ने कहा है कि कर्ज नहीं चुकाने वाले मालिकों से गाड़ियों की जबरन जब्ती गलत है। ये संविधान की ओर से दी गई जीवन और आजीविका के मौलिक अधिकार का सरासर उल्लंघन है। इस तरह की धमकाने वाली कार्रवाइयों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए।

अदालत ने कहा कि प्रतिभूतिकरण के प्रावधानों का पालन करते हुए वाहन ऋण की वसूली की जानी चाहिए। इसके लिए ग्राहकों के सुरक्षा हित को लागू करें। जस्टिस राजीव रंजन की सिंगल बेंचप्रसाद ने रिट याचिकाओं के एक बैच का निपटारा करते हुए, बैंकों और वित्त कंपनियों को लताड़ लगाई। उन बैंकों को जो बाहुबलियों को बंधक वाहनों (बंदूक की नोक पर भी) को जबरन जब्त करने के लिए तैयार करती हैं। अदालत ने बिहार के सभी पुलिस अधीक्षकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि किसी भी वसूली एजेंट की ओर से किसी भी वाहन को जबरन जब्त नहीं किया जाए।

फोटो :4 पीएम

किसान सम्मान निधि

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत समस्त पात्र कृषकों को लाभ दिलाने हेतु वृहद संतृप्तीकरण अभियान का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया शुभारंभ। इस दौरान दर्शन पोर्टल के लोगो की लॉन्चिंग, विभिन्न सेवाओं एवं अनुदान हेतु कृषक पंजीकरण का शुभारंभ किया गया।

संभल कर घर से निकलें, बिगड़ सकता है मौसम

प्रदेश में आंधी-बारिश व ओलावृष्टि की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी मौसम विभाग ने जारी की है। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र ने आगामी तीन दिनों के लिए कई इलाकों में येलो अलर्ट जारी किया है। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक बुधवार को हल्की बरसात होगी, लेकिन उसके बाद अच्छी बारिश हो सकती है।

प्रदेश में कहीं-कहीं 50-60 किमी. प्रतिघंटे की तेज की रफ्तार से तेज हवाएं आंधी चल सकती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ओलावृष्टि के आसार बन रहे हैं। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक 25 और 26 मई को पूरे प्रदेश में बारिश और आंधी का दौर रह सकता है। उधर, प्रदेश के कुछेक हिस्सों में मंगलवार को भी बूंदाबांदी और बारिश ने भिगोया।

मौसम विभाग ने किया अलर्ट

मौसम विभाग ने बदलाव को लेकर एडवाइजरी जारी की है। कहा है कि तेज हवा से बागवानी व खड़ी फसलें प्रभावित होंगी। जर्जर इमारतों, कच्चे घरों व झोपड़ियों को आंशिक नुकसान हो सकता है। पेड़ गिरने और ओलावृष्टि से चोट लगने के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिक मो. दानिश के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते मौसमी बदलाव असर दिखाएंगे।

आगरा, देवरिया, गोरखपुर, कुशीनगर, नोएडा, जालौन में कहीं तेज पानी बरसा तो कहीं बूंदाबांदी होती रही। झांसी में अधिकतम पारा 45.1 डिग्री दर्ज किया गया। आगरा में बारिश के बावजूद पारा 46 डिग्री रिकार्ड किया गया।

चेन्नई आईपीएल के फाइनल में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» क्वालिफायर-1 : सुपरकिंग्स रिकॉर्ड 10वीं बार खिताबी दौर में

» गुजरात टाइटंस को 15 रनों से हराया

नई दिल्ली। आईपीएल के प्लेऑफ मुकाबले के क्वालिफायर-1 में चेन्नई सुपरकिंग्स ने गुजरात टाइटंस को 15 रन से हराया। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। चेन्नई ने 20 ओवर में सात विकेट पर 172 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम 20 ओवर में 157 रन पर सिमट गई।

चेन्नई सुपरकिंग्स ने गुजरात टाइटंस को हराकर 10वीं बार आईपीएल के फाइनल में अपनी जगह बना ली। चेन्नई ने 15 रन से जीत हासिल की। चार बार चैंपियन बनने वाली चेन्नई की टीम ने शानदार वापसी की है। वह पिछले सीजन में प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पाई थी। धोनी की कप्तानी में अब टीम पांचवीं बार चैंपियन बनने के लिए 28 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में उतरेगी। दूसरी ओर, गुजरात इस हार के बाद बाहर नहीं हुई है। उसे फाइनल में पहुंचने का दूसरा अवसर मिलेगा। वह 26 मई अहमदाबाद में क्वालिफायर-2 में खेलेगी। वहां उसका मुकाबला मुंबई इंडियंस या लखनऊ सुपर जाएंट्स से होगा। मुंबई और लखनऊ के बीच बुधवार (24 मई) को एलिमिनेटर मैच खेला जाएगा। इस मैच में जीतने वाली टीम क्वालिफायर-2 में जाएगी।

गिल-राशिद की मेहनत व्यर्थ

चेन्नई से मिले 173 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। इसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ा। गुजरात के लिए शुभमन गिल ने 38 गेंद पर सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। राशिद खान ने आखिरी ओवरों में तेजी से रन बनाए, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। राशिद ने 16 गेंद पर 30 रन बनाए। दसुन शनाका ने 17, विजय शंकर ने 14 और ऋद्धिमान साहा ने 12 रन बनाए। कप्तान हार्दिक पांड्या आठ, मोहम्मद शमी पांच, डेविड मिलर चार और राहुल तेवतिया तीन रन बनाकर आउट हुए। नूर अहमद ने नाबाद सात रन बनाए। दर्शन नालकंडे खाता नहीं खोल सके। चेन्नई के लिए दीपक चाहर, महीश तीक्षणा, रवींद्र जडेजा और मथीशा पथिराना ने दो-दो विकेट लिए। तुषार देशपांडे को एक सफलता मिली।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

केजरीवाल उद्धव से मिले राज्यसभा में मांगा समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। दिल्ली में अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग को लेकर केंद्र और दिल्ली सरकार में ठन गई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात कर समर्थन मांग रहे हैं। केजरीवाल ने इसी सिलसिले में बुधवार को शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से मुलाकात की है।

अरविंद केजरीवाल बुधवार को मुंबई में स्थित मातोश्री पहुंचे। इस दौरान उनके साथ पंजाब के सीएम भगवंत मान और पार्टी सांसद राघव चड्ढा भी मौजूद थे। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने उद्धव ठाकरे और सांसद संजय राउत से मुलाकात की। इससे पहले, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने केजरीवाल को अपना समर्थन दे दिया। अरविंद केजरीवाल ममता के समर्थन के लिए भगवंत मान के साथ मंगलवार शाम राज्य सचिवालय नवान्न पहुंचे थे।

तीन राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच वहां करीब एक घंटे बैठक हुई, जिसके बाद उन्होंने संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन किया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) इसका विरोध करेगी और सुप्रीम कोर्ट जाएगी।

एजेंसियों से डराती है भाजपा : दिल्ली सीएम

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा जिस राज्य में सरकार नहीं बना पाती, वहां सीबीआई-ईडी जैसी एजेंसियों से डराती है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि बंगाल और पंजाब का स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही बेहद मजबूत रिश्ता है।

ममता ने कहा सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

ममता बनर्जी ने अध्यादेश का विरोध किया और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही। उन्होंने इस मुद्दे पर विरोधी दलों से भी राज्यसभा में एकजुट होने की अपील की है। विरोधी दलों से भी एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले राज्यसभा में भाजपा को हराने का अच्छा मौका होगा।

मोदी ने ऑस्ट्रेलिया में उठाया मंदिरों पर हमले का मुद्दा

» अल्बनीस ने कहा- कड़ी कार्रवाई होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हमला, भारत स्वीकार नहीं करेगा। ऑस्ट्रेलिया के तीन दिवसीय दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को देश में मंदिरों पर हमलों का मुद्दा उठाया। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भविष्य में ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

पीएम मोदी ने अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष अल्बनीज के साथ संयुक्त संबोधन के दौरान कहा, पीएम एंथनी अल्बनीज और मैंने पूर्व में ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हमले और अलगाववादी तत्वों की गतिविधियों के मुद्दे पर चर्चा की है। हमने आज भी इस मामले पर चर्चा की। हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई पीएम द्वारा अपने भारतीय समकक्ष को दिए गए आश्वासन के बारे में अल्बनीस ने कहा, मैंने उन्हें आश्वासन दिया कि ऑस्ट्रेलिया एक ऐसा देश है, जो लोगों की आस्था का सम्मान करता है, हम इस तरह के कार्यों और हमलों को बर्दाश्त नहीं करते हैं, ऑस्ट्रेलिया में इसका कोई स्थान नहीं है, फिर चाहे कोई मंदिर हो, मस्जिद हो या फिर चर्च, हम यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पुलिस और हमारी सुरक्षा एजेंसियों के माध्यम से हर किसी पर कार्रवाई करेंगे।

घाटी में सामान्य हालात को बयां कर रहा स्क्रीन के पीछे छिपा जवान

» फारुख की बेटी सफिया ने मोदी सरकार को घेरा

» जी- 20 में लगे सुरक्षा बल की तस्वीर की ट्वीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में जी-20 वर्किंग ग्रुप की बैठक को लेकर खूब तैयारियां हुईं और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। सुरक्षा के लिहाज से चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाबलों की तैनाती थी, जिसे लेकर अब विवाद शुरू हो गया है। जम्मू-कश्मीर के क्षेत्रीय दल अब इसे लेकर मोदी सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं।

श्रीनगर में जी20 टूरिज्म वर्किंग ग्रुप की बैठक के लिए घाटी में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी। जिसे लेकर फारूक अब्दुल्ला की बेटी सफिया अब्दुल्ला खान ने तस्वीर ट्वीट की, जिसमें एक जवान नजर आ रहा है। इसे कुछ ऐसे दिखाया गया कि जी-20 के पोस्टर के पीछे जवान छिपा हुआ है।

साफिया का ट्वीट गैर जिम्मेदाराना : किशन रेड्डी

पोस्टर के पीछे सुरक्षाबलों की तस्वीर शेयर करने के बाद केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने अब्दुल्ला की बेटी को जवाब दिया। रेड्डी ने उनके इस ट्वीट को गैर जिम्मेदाराना बताया, साथ ही राष्ट्रवादी मानसिकता से काफी दूर करार दिया। सुरक्षाबलों की तैनाती पर जवाब देते हुए जी किशन रेड्डी ने बताया कि ये सुरक्षा के लिए लिहाज से एक रणनीति के तहत किया जाता है। जिस बैठक में तमाम देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं, उसमें हमने पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराई। देश के किसी भी हिस्से में यही व्यवस्था होती है।

हादसे का बुधवार : सड़क हादसे ने लील लीं कई जानें

» खाई में गिरी क्रूजर, 7 की मौत, जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में दर्दनाक हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में आज (24 मई) को हुए एक हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई है। मिली जानकारी के मुताबिक ढंगदुरु पावर प्रोजेक्ट के कर्मचारियों को ले जा रही एक क्रूज कार हादसे की शिकार हो गई। इस हादसे में कई लोगों के घायल होने की खबर है।

इस हादसे की पुष्टी करते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया, अभी-अभी डीसी किश्तवाड़ डॉ. देवांश यादव से डांगदुरु बांध स्थल पर हुए दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे के बारे में बात की। घटना में 7 लोगों की मौत हो गई है और 1 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायलों को आवश्यकता के अनुसार जिला अस्पताल किश्तवाड़ या जीएमसी डोडा में स्थानांतरित किया जा रहा है। जरूरत के मुताबिक हर संभव मदद मुहैया कराई जाएगी।

पेड़ से टकराई कार, चार की मौत, मथुरा में हुआ हादसा

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में बुधवार की सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक ईको कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना से मौके में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। हादसा राया थाना क्षेत्र के बलदेव रोड पर हुआ। यहां बलदेव निवासी कुछ लोग ईको कार में सवार होकर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए मथुरा जा रहे थे। रास्ते में कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसा देख आसपास के लोग भागकर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने कार में दबे लोगों को बाहर निकाला। घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद अचल, आकाश निवासी गांव आगई, थाना बलदेव और योगेश, अंकित निवासी कस्बा दाऊजी, थाना बलदेव को मृत घोषित कर दिया। वहीं सैंकी निवासी गांव आंगई, थाना बलदेव की हालत नाजुक देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। खबर पाकर घरों में कोहराम मच गया। परिजन रोते-बिलखते अस्पताल पहुंचे। घटना से गांवों में मातम छाया हुआ है। हादसे की जानकारी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी दुःख व्यक्त किया है।

राहुल गांधी के नए पासपोर्ट पर सुनवाई टली

» सामान्य पासपोर्ट के लिए किया अप्लाई, 26 मई को केस सुनेगा कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से नए पासपोर्ट को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई टल गई है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट इस मामले में अब इसी शुक्रवार यानी 26 मई को सुनवाई करेगी। दरअसल, राहुल गांधी को पासपोर्ट बनवाने के लिए अदालत से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) चाहिए।

बता दें कि संसद की सदस्यता जाने के बाद राहुल गांधी ने अपना डिप्लोमेटिक पासपोर्ट सरेंडर कर दिया था। राहुल ने अब साधारण पासपोर्ट बनवाने के लिए अप्लाई किया है। राहुल नेशनल हेराल्ड मामले में आरोपी हैं, लिहाजा उन्हें नया पासपोर्ट बनवाने के लिए एनओसी की जरूरत है।

सुब्रमण्यम स्वामी ने किया अर्जी का विरोध

अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट वैभव मेहता ने बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी की दलीलों के बाद सुनवाई को शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दिया। सुब्रमण्यम स्वामी ने राहुल गांधी की अर्जी का विरोध किया है। उन्होंने कहा, अगर राहुल गांधी को विदेश जाने की अनुमति दी जाती है तो इससे नेशनल हेराल्ड मामले में जांच प्रभावित हो सकती है। राहुल गांधी के वकील ने कोर्ट से कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है, इसलिए राहुल गांधी को एनओसी मिलनी चाहिए। कोर्ट ने राहुल गांधी की अर्जी पर सुब्रमण्यम स्वामी को जवाब देने को कहा है, मामले की अगली सुनवाई 26 मई को होगी।

अमेरिका की यात्रा पर जाएंगे राहुल

राहुल गांधी ने अमेरिका की अपनी यात्रा से पहले एक नया पासपोर्ट जारी करने को लेकर मंगलवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में अर्जी लगाई थी। उन्होंने साधारण पासपोर्ट के लिए एनओसी जारी करने की गुहार लगाई है। राहुल गांधी ने मानहानि के एक मामले में दोषी ठहराए जाने पर मार्च में लोकसभा के सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित किए जाने के बाद अपना राजनयिक पासपोर्ट सरेंडर कर दिया था। राहुल गांधी जून में अमेरिका की 10 दिवसीय यात्रा पर जाने वाले हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।